नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 25-09-2019

प्रकाशनार्थ

(पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती पर व्याख्यान कार्यक्रम)

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ गोरखपुर के इतिहास विभाग में पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती के अवसर पर **"दीनदयाल उपाध्याय एवं एकात्म मानववाद"** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय महिला महाविद्यालय, सन्त कबीर के असिस्टेंट प्रोफेसर **डॉ. विद्याधर मिश्र** ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय स्वयं एक राष्ट्रपुरुष थे। उन्होंने एकात्म मानववाद विचार के माध्यम से भविष्य के श्रेष्ठ भारत का मार्ग निर्मित किया। उनके इस विचार के अभिव्यक्ति वर्तमान भारत के रुप में स्पष्टतः परिलक्षित हो रही है। उनका सम्पूर्ण जीवन एवं व्यक्तित्व राष्ट्र और समाज के लिए आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके जीवनकाल में था। बगैर किसी महत्वकांक्षा के भारत माता की सेवा में अपने जीवन को अर्पित कर देने वाले दीनदयाल उपाध्याय आज भी राष्ट्र के लिए प्रेरणादायी है। वे भारतीय जनसंघ के नेता और भारतीय राजनीतिक एवं आर्थिक चिन्तन को वैचारिक दिशा देने वाले पुरोधा थे।

डॉ. मिश्र ने आगे कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने श्रेष्ठ शक्तिशाली और सन्तुलित रूप में विकसित राष्ट्र की कल्पना की थी। दीनदयाल उपाध्याय जी का चिंतन शाश्वत विचारधारा से जुड़ता है इसके आधार पर वे राष्ट्रभाव को समझने का प्रयास किया जो आज के अनुकूल प्रमाणित हो रहा है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के कथनानुसार यदि परिवार का हित हो तो व्यक्ति को अपना हित छोड़ देना चाहिए और यदि समाज का हित हो तो परिवार का हित छोड़ देना चाहिए तथा यदि देश का हो तो समाज का हित छोड़ देना चाहिए, राष्ट्रवाद का यह विचार प्रत्येक नागरिक में होना चाहिए। उन्होंने आज की शिक्षा व्यवस्था भी चिन्ता व्यक्त करते हुए एक तरफ महंगी शिक्षा है जिसका सीमित वर्ग ही लाभ उठाता है और दूसरी ओर जहॉ शिक्षा सस्ती है उनकी दशा बहुत ही खराब है। आज की शिक्षा व्यवस्था व्यवसाय का रूप ले चुकी है। जो समाज व देश के लिए घातक है। पं. दीनदयाल उपाध्याय स्पष्ट मानना था कि समाज के सबसे निचले पायदान पर जो व्यक्ति है उसके उत्थान का प्रयास प्राथमिकता से होनी चाहिए। कार्यक्रम में विषय प्रस्तावना इतिहास विभाग के अध्यक्ष **डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह** ने किया।

(कल होगा योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि पर व्याख्यान)

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर में 26 सितम्बर को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ के पुण्यतिथि के अवसर पर उनके स्मृति में "अन्तरिक्ष में भारत : चन्द्रयान–2 के विशेष सन्दर्भ में" विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष **प्रो. शांतनु रस्तोगी** का व्याख्यान अपराह्न 01:00 बजे से होगा।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी